जहाज़ (Ark) के लिए निर्देश

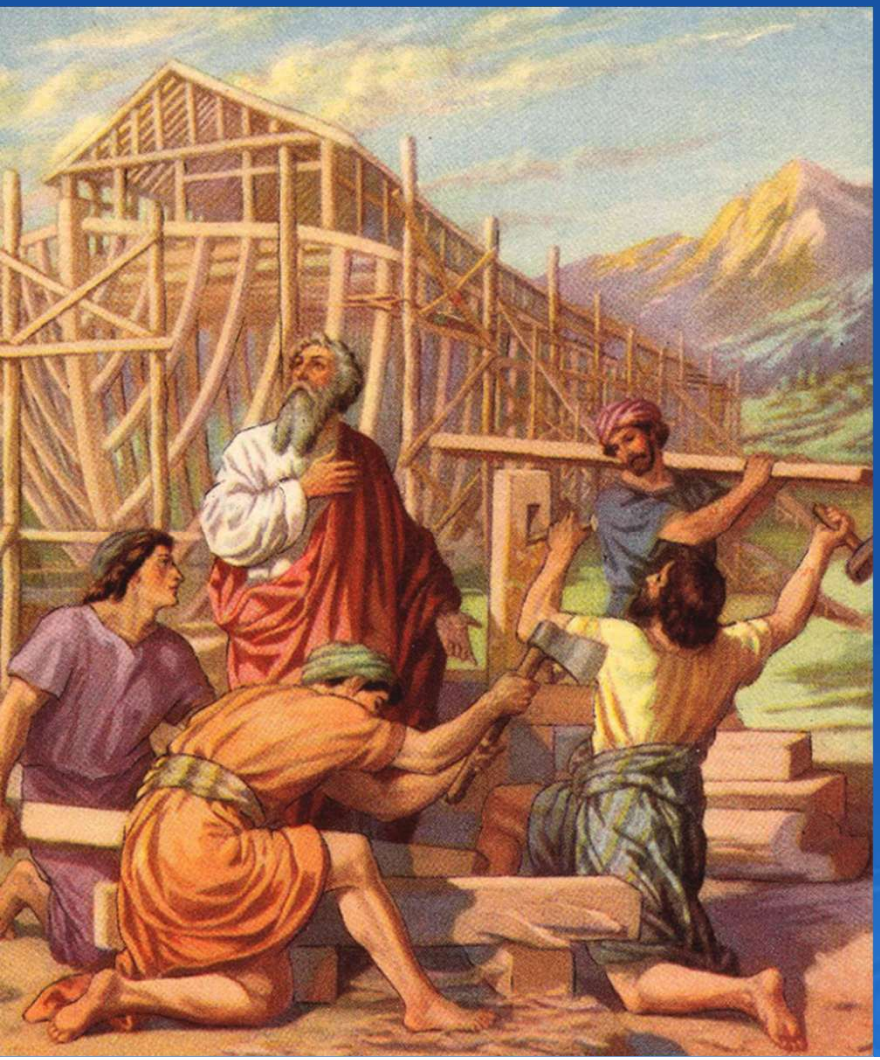

- **परमेश्वर का सिद्धांत:** उद्धार परमेश्वर और मनुष्य के बीच **सहयोग का कार्य** है।
- परमेश्वर उसे प्रदान करता है।
- **मनुष्य को उसे स्वीकार करना होता है।**
- **नूह को विश्वास करना था** कि परमेश्वर ने उससे जो कहा वह सत्य है।
- **तेवाह (Tevah)** = जहाज़; एक तैरने वाला संदूक, जिसमें **न पतवार थी और न ही कोई चालक दल।**
- **मूसा की टोकरी** को भी **तेवाह (Tevah)** कहा गया था।

नूह का जहाज़

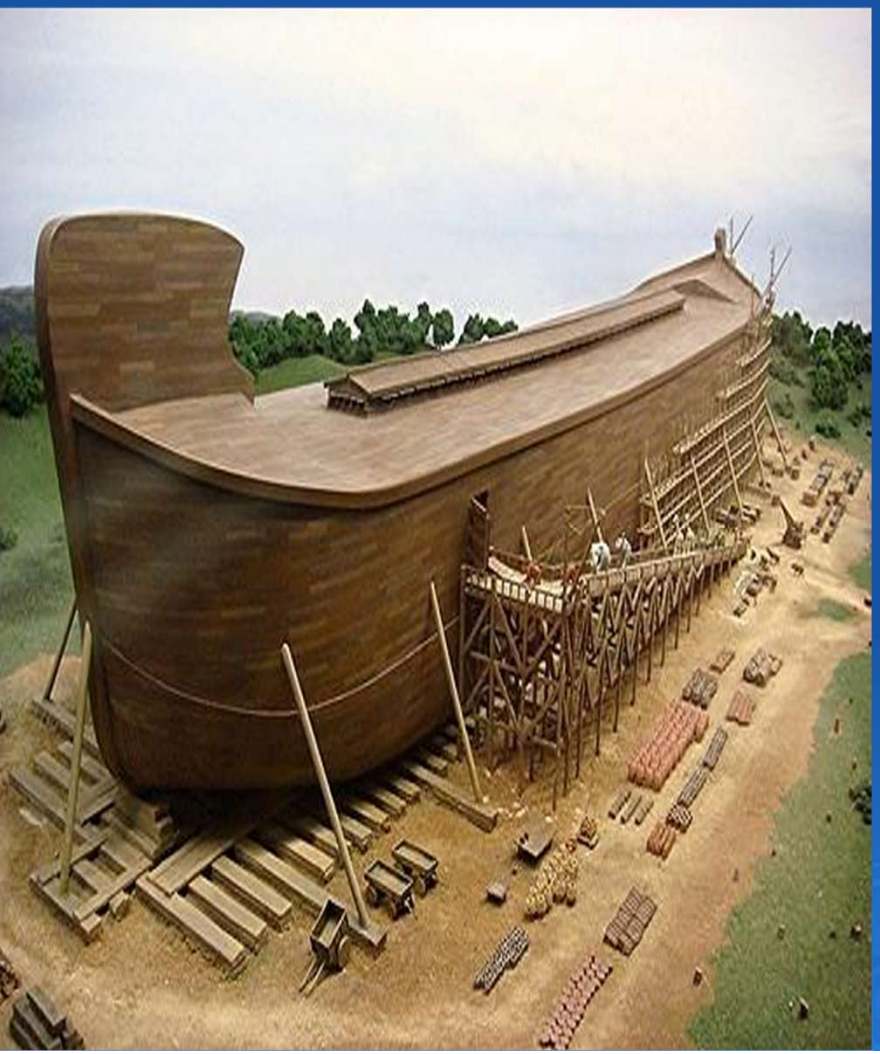

- गोफ़र की लकड़ी का बना, जो अज्ञात है।
- चार सौ पचास हाथ लम्बा, पचास हाथ चौड़ा, और तीस हाथ ऊँचा।
- तैंतालीस हज़ार टन जल-विस्थापन वाला।
- तीन मंज़िलें, एक पार्श्व में द्वार।
- आठ मनुष्य जहाज़ में प्रवेश किए।
- आठ संख्या बाइबिल में छुटकारे की है।
- दिव्य आदर्श परिवार की इकाई का: **एक पुरुष** और **एक स्त्री**।

भोजन क्या है?

- उत्पत्ति १:२९-३० भोजन को परिभाषित करता है।
- **हरे-हरे पौधे।**
- भोजन परमेश्वर द्वारा अधिकृत पोषण है हमारे शरीरों के लिये।
- अन्य सब कुछ भोजन नहीं है!
- मूसा की व्यवस्था ने सावधानीपूर्वक परिभाषित किया है कि क्या है भोजन।
- इब्रानी परम्परा ने कोशर भोजन के विषय में बहुत से संदिग्ध नियम जोड़ दिए हैं।
- बाइबिल का "कोशेर" बहुत ही सरल और स्पष्ट है।